हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 2 जून 2025

11 किसानों को दी सरकार की योजनाओं की जानकारी

12 अटेली के धन्नौदा रोड और श्याम कुंज कालोनी में बारिश का पानी रोड तक भरा

CBSE बोर्ड, हरियाणा बोर्ड व अन्य किसी भी बोर्ड से फेल विद्यार्थी इसी वर्ष फेल विषयों की परीक्षा देकर साल बचाएं।
10th & 12th (NIOS) ओपन से पास करें।
D.R. GROUP OF INSTITUTIONS
महेन्द्रगढ़ नजदीक सतनाली चौक, नारनौल रोड़, महेन्द्रगढ़ Call us: 8059001617, 8059171616
कोसली बिजली बोर्ड के सामने, कोसली Call us: 9050676072
सभी कोर्स सरकारी यूनिवर्सिटी व बोर्ड से पास करें।
B.A., B.Com., B.Sc., M.A.,M.Sc. M.Com., Yoga Teacher, NTT, B.Ed., JBT, LLB, D. Pharmacy
YOGA TEACHER TRAINING PROGRAMME
CERTIFICATE IN AGRICULTURE AND ANIMAL HUSBANDRY
CERTIFICATE IN COMPUTER APPLICATION
CERTIFICATE IN EARLY CHILDHOOD CARE AND EDUCATION (NTT)
CERTIFICATE IN BEAUTY CULTURE & HAIR CARE
AYRVEDA AND YOGA
DIPLOMA IN RADIOGRAPHY
ELECTRICAL TECHNICIAN
CERTIFICATE IN WELDING
CERTIFICATE IN PANCHKARMA ASS.

दक्षिणी हरियाणा को सीएम की सौगात: नारनौल में खुलेगा सैनिक सदन, 14.78 करोड़ स्वीकृत

- महेंद्रगढ़ जिला में करीब 21 हजार पूर्व सैनिक, देश के अलग-अलग हिस्सों में दे रहे करीब 12 हजार जवान ड्यूटी

सतीश सैनी ▶▶| नारनौल

सैनिकों की खान के नाम से प्रसिद्ध दक्षिणी हरियाणा को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई सौगात दी है। नारनौल में सैनिक सदन बनाने की घोषणा रविवार को सीएम ने की है।

पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए तैयार होने वाले इस सैनिक सदन के लिए 14 करोड़ 78 लाख 25 हजार की धनराशि स्वीकृत की है। संबंधित विभाग अब इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के निर्माण कार्य को जल्द ही शुरू करेंगे। यह पहल पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए एक बड़ी राहत है, जिन्हें वर्तमान में विभिन्न सेवाओं के लिए अलग अलग स्थानों पर जाना पड़ता है। जो अब एक ही छत के नीचे विभिन्न आवश्यक सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

विधायक के प्रयास लाए रंग

हरिभूमि से बातचीत करते हुए विधायक ओमप्रकाश यादव ने बताया कि पिछली बार हमारी भाजपा सरकार में जब वह प्रदेश के सामाजिक न्याय-अधिकारिता राज्य मंत्री थे, उस वक्त हरियाणा में आठ जगह पर सैनिक सदन का प्रस्ताव सरकार के समक्ष रखा था। नारनौल में सैनिक सदन की जहां बात करें तो इसकी मंजूरी करवाकर जमीन का केस बना सरकार के पास भेजा था। अभी पिछले दिनों विधानसभा में भी सैनिक सदन की मांग रखी थी। सीएम नायब सैनी ने आज हमें यह तौहफा दे दिया। इसके लिए पूरा क्षेत्र उनका धन्यवाद करते है। विधायक ने हरिभूमि को बताया कि जहां अभी सैनिक कैंटिन है, वहां करीब पौने दो एकड़ जमीन है। यहां पर सैनिक सदन बनेगा। जो इमारत अनफिट है, उसे हटाई जाएगी। अब सैनिक व उनके परिवार से जुड़ी हर सुविधा एक ही छत के नीचे मिलेगी।

हमारा दावा यूं हुआ मजबूत

महेंद्रगढ़ जिला का कुल क्षेत्रफल 1939.6 वर्ग किलोमीटर हैं। सैनिक बोर्ड के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो 20 हजार 850 पूर्व सैनिक है। आर्मी के 20198, नेवी के 358 व एयरफोर्स के 294 से अधिक सेवानिवृत सैनिक है। हाल फिलहाल की बात करें तो जिला के 12 जवान से अधिक अलग-अलग सेना में ड्यूटी दे रहे है। इस तरह जिला में 33 हजार से अधिक सैनिक परिवार है। यहीं नहीं, इस देश की रक्षा करते हुए जिला के 187 जवानों ने शहादत दी हुई है। अवार्ड की बात करें तो दो विक्टोरिया क्रॉस अवार्ड, दो मिल्ट्री क्रॉस, एक अशोक चक्र, दो कीर्ति चक्र, 10 वीर चक्र, 12 शौर्य चक्र, 45 सेना मैडल व दो नौसेना मेडल से यहां के जवानों को सम्मान मिला है। जिला के नारनौल व महेंद्रगढ़ शहर में एक-एक ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स है। नारनौल, महेंद्रगढ़, कनीना व अटेली में सैनिक रेस्ट हाउस भी है। नारनौल शहर में जिला स्तरीय युद्ध स्मारक विश्रामगृह परिसर में साल-1995 में स्थापित किया गया था।

यह मिलेगा लाभ

विश्राम गृह : सैनिकों और उनके परिवारों के लिए ठहरने की सुविधा
जिला सैनिक एवं अद्धसैनिक कल्याण कार्यालय : सभी प्रशासनिक और कल्याणकारी कार्यों के लिए एक केंद्रीकृत स्थान
सामुदायिक हॉल : विभिन्न कार्यक्रमों और सभाओं के आयोजन के लिए
पॉलीक्लीनिक : चिकित्सा सुविधाओं तक आसान पहुंच।
सीएचडी कैंटीन : रियायती दरों पर दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता।
पर्याप्त पार्किंग : वाहनों के लिए सुरक्षित स्थान।

खबर संक्षेप

ट्रेन से गिरने पर 28 वर्षीय युवक की मौत

मंडी अटेली। रेवाड़ी-फुलेरा रेलवे लाइन पर गांव बाछौद के समीप सवारी गाड़ी से गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। रेलवे पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। राजस्थान प्रदेश के जिला सीकर के गांव रायपुरा निवासी 28 वर्षीय सुभाष सोनी सुबह साढ़े आठ बजे डहर के बालाजी सवारी गाड़ी से रेवाड़ी से जा रहा था कि बाछौद के समीप अचानक गाड़ी से गिर गया, जिस कारण उसकी मौत हो गई।

महिला से मारपीट के आरोप में 4 पर केस

कनीना। गांव धनौंदा में महिला से मारपीट करने के आरोप में सिटी थाना पुलिस ने चार व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में पीड़ित महिला मंजू देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह दोपहर ढाई बजे धनौंदा बस स्टैंड के समीप बने अपने घर पर मौजूद थी, तभी बिजेंद्र, योगेंद्र, देवेंद्र व सतेंद्र गाली ग्लोच करते हुए डंडे लेकर दीवार फांदकर घर में घुसे और उनके पति कंवर सिंह व पुत्र बादल को आवाज दी। जब उनसे गाली ग्लोच करने का कारण पूछा तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की।

बसपा की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक कल

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक तीन जून को प्रातः नौ बजे मालवीय नगर स्थित अंबेडकर भवन में आयोजित की जाएगी। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य प्रभारी प्रताप होंगे। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी विशाल गुर्जर, प्रदेश प्रभारी एडवोकेट नेतराम, प्रदेश कार्यकारिणी अशोक दास, विधानसभा अटेली के पूर्व प्रत्याशी एडवोकेट अतरलाल, जिला प्रभारी अनिल तंवर एवं एडवोकेट अमरसिंह उपस्थित रहेंगे।

सीएम ने मंत्रिमंडल की बैठक में सड़क की दशा सुधारने के दिए थे विशेष दिशा-निर्देश

शहर से जुड़े मार्गों की हालत खस्ता, विभाग नहीं दे रहा कोई ध्यान, लोग परेशान

लोगों ने जिला प्रशासन एवं सरकार से इन टूटी सड़कों की हालत सुधारने की मांग उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सरकारी आदेशों के बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग सड़कों की हालत सुधारने में नाकाम हो रहा है। शहर से जुड़े कई मार्गों की हालत अब भी खस्ता बनी हुई है और उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। इससे लोग खासकर वाहन चालक परेशान हैं तथा उन्होंने जिला प्रशासन एवं सरकार से इन टूटी सड़कों की हालत सुधारने की मांग उठाई है।

कहने को तो हरियाणा प्रदेश विकसित राज्यों में अग्रणी स्थान रखता है और प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी ने भी हर पथ योजना टूटी सड़कों की फोटो अपलोड करने के 15 दिन के अंदर-अंदर मरम्मत करने की योजना का पालन करने के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों एवं जिला प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए थे, लेकिन जिला महेंद्रगढ़ की स्थिति देखकर साफ लगता है कि उन आदेशों पर महज लीपापोती करने के उद्देश्य से कहीं-कहीं सड़कों पर कार्य किया, लेकिन जहां असलियत में जरूरत थी, उन सड़कों को आज भी रामभरोसे ही छोड़ा हुआ है। यही वजह है कि पहले से टूटी हुई सड़कें रोजाना टूटकर और जर्जर हो रही हैं, लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग एवं जिला प्रशासन पर इसका कोई असर नहीं हो रहा। इन हालातों में सीएम के आदेश हवा-हवाई होते दिखाई दे रहे हैं।

ताजीपुर मार्ग की हालत खस्ता

इसी प्रकार यदि इस सड़क मार्ग पर इसी की दिशा में आगे बढ़े तो नांगल चौधरी रोड से जुड़ा हुआ मार्ग गांव ताजीपुर को जाता है। गांव ताजीपुर को जाने वाले इस टुकड़े की भी हालत काफी खराब है और सड़क जगह-जगह से टूटी हुई है।

जबकि इस सड़क से न केवल ताजीपुर, बल्कि नांगल श्यालू, कारोता, दोंगली, खातौली एवं कमानियां की तरफ से आने वाले छोटे वाहन एवं दो पहिया वाहन खूब गुजरते थे, लेकिन टूटी सड़क से उन्हें परेशानी होने लगी तो वह वाया धौलेड़ा रोड से घूमकर ज्यादा दूरी तय करते हुए नारनौल शहर आने को मजबूर हो रहे हैं।

नारनौल। क्षतिग्रस्त अवस्था में जल महल-नांगल चौधरी रोड व जीर्ण-सीर्ण हालत में गांव ताजीपुर का रोड। फोटो : हरिभूमि

जल महल से नांगल चौधरी रोड है क्षतिग्रस्त

बता दें कि शहर को नांगल चौधरी रोड से जोड़ने वाला सीआईए मार्ग, जो जल महल एवं अनाज मंडी आने-जाने का प्रमुख मार्ग है, वह लंबे समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में है। जल महल से नांगल चौधरी रोड तक इस सड़क की हालत काफी खस्ता है तथा जगह-जगह से टूटी हुई है। यह सड़क गौड़ ब्राह्मण सभा के निर्माणाधीन भवन के आसपास तो इतनी जर्जर अवस्था में है कि वहां सड़क का नामोनिशान ही मिटने की अवस्था में है। यह सड़क, जहां नांगल चौधरी रोड में मिलती है, वहां भी लंबा-चौड़ा गड्ढा बना हुआ है।

पटीकरा की सड़क तो बनी, लोग नाखुश

हाल ही में पीडब्ल्यूडी महकमे ने नारनौल-दिल्ली से जोड़ने वाले पटीकरा गांव के यदुवंशी स्कूल रोड को पिछले दिनों ही मरम्मत कर नया बना दिया है, लेकिन इस सड़क निर्माण में महज खानापूर्ति करने से ग्रामीण नाखुश हैं। ग्रामीण संजय यादव पटीकरा व राजपाल आदि ने बताया कि पटीकरा से एक मुख्य सड़क यदुवंशी स्कूल होते हुए नारनौल रोड से जुड़ती है। यह सड़क पूरी तरह से टूटी हुई थी और पिछले दिनों पीडब्ल्यूडी ने इसका पुनर्निर्माण तो करवा दिया, लेकिन पूरा मैटीरियल नहीं डाला गया है। सड़क में अब भी गड्ढे बने हैं, जिस कारण वाहन हिचकौले खाते रहते हैं।

दोंगली से खातौली जाट मार्ग टूटा

सड़कों के मामले में दोंगली से खातौली जाट-खातौली अहीर मार्ग की भी हालत काफी खस्ता है। खातौली जाट के मोड़ से पहले इस सड़क में पानी भरने के कारण कई साल पहले ही सड़क का नामोनिशान मिट चुका है तथा इसमें काफी लंबे-चौड़े गड्ढे बने हुए हैं।

सड़क टूटी होने के कारण बरसात के दिनों में सड़क में पानी भर जाता है और गहरे गड्ढे होने के कारण लोगों के दुपहिया वाहन पानी में बीच रास्ते में बंद हो जाते हैं। पिकअप एवं अन्य छोटी कारें भी बीच रास्ते में फंस जाती है। इससे लोगों को काफी परेशानी होती है।

यह कहते हैं अधिकारी

एसडीओ आलोक कुमार ने बताया कि सरकार से कुछ सड़कों की अप्रूवल मांगी हुई है, अप्रूव्ड होने उपरांत उनका भी नवीनीकरण किया जाएगा। कुछ सड़कें पीडब्ल्यूडी तो कुछ सड़कें मार्केट कमेटी एवं नगर परिषद के अधीन भी आती हैं। सारी सड़कें हमारी नहीं हैं। हमारा प्रयास है कि हम लोगों को बेहतरीन सड़कें दें।

शहर में की मनमानी

हाल ही में पीडब्ल्यूडी विभाग ने मनमानी करते हुए महावीर चौक से जुड़े सभी मार्गों का नवीनीकरण कर दिया। यानि सड़क पर फिर से सड़क बना दी। कमाल की बात तो यह है कि पहले जो सड़क बनी थी, वह भी काफी बेहतर थी और कहीं कोई गड्ढे नहीं थे, न ही सड़क में कहीं झौल आया हुआ था। सड़क पर फिर से सड़क बनाने पर कई जागरूक लोगों ने ऐतराज भी जताया, लेकिन पीडब्ल्यूडी ने महावीर चौक से जुड़ी सड़कों पर फिर से मैटीरियल डालकर उन पर नई सड़कों का निर्माण कर दिया।

नारनौल। खातौली जाट की सड़क मिटा नामोनिशान।

गांव-गांव जाकर मौके पर ही पेयजल की रसायन जांच करेगी मोबाइल लैब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हरियाणा की ओर से गांव-गांव जाकर मौके पर ही पेयजल की जांच करने हेतु मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब लांच की हुई है, जो दो जून से 30 जून तक जिला के विभिन्न गांवों में जाकर पेयजल स्रोतों की मौके पर की रसायन जांच करेगी। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि जिला महेन्द्रगढ़ के गांवों की सूची बना ली गई है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से जल जीवन मिशन के तहत पेयजल की गुणवत्ता जांचने के लिए मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब को गांव गांव तक पहुंचेगी, जो पेयजल स्रोतों की रसायन जांच करेगी। लैब के साथ लैब सहायक उज्ज्वल कुमार, संबंधित जेई, संबंधित बीआरसी, ग्राम पंचायत सरपंच, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्य गांव में मौजूद रहेंगे व स्रोत की जांच करवाएंगे। यह वैन जिला महेन्द्रगढ़ में एक महीने रहेगी। सैंपल जांचने की शुरुआत नारनौल खंड से की जाएगी। 30 जून तक जिले के सभी खंडों के चयनित ग्राम पंचायतों में यह लैब जाएगी। जिन ग्राम पंचायतों का पिछले साल जांच की जा चुकी है, उनको इस वर्ष नहीं लिया गया है।

नारनौल। मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब।

500 सैंपल जांचने का है लक्ष्य

लैब सहायक उज्ज्वल कुमार ने बताया कि जिला महेन्द्रगढ़ के कुल 500 सैंपल जांचने का लक्ष्य है। एक दिन में कम से कम सात ग्राम पंचायतों का दौरा किया जाएगा, ताकि 30 जून तक लक्ष्य की प्राप्ति हो सकें।

बाइक में पेट्रोल डलवाने आए युवक ने की सेल्समैन के साथ मारपीट

नारनौल। पेट्रोल पंप के सेल्समैन के साथ पैसे मांगने पर बाइक में पेट्रोल डलवाने आए युवक ने मारपीट कर दी। यही नहीं युवक सेल्समैन का मोबाइल भी छीन ले गया। इस बारे में पीड़ित सेल्समैन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में दी शिकायत में गांव नांगतिहाड़ी के रहने वाले सुमेर सिंह ने बताया कि वह महेंद्रगढ़ रोड पर गांव नसीबपुर के पास गुप्ता फिलिंग पंप पर सेल्समैन है। पंप पर उसकी 24 घंटे की ड्यूटी है। पीड़ित ने बताया कि 29 मई रात को वह पेट्रोल पंप पर ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान उसके साथ दो अन्य सेल्समैन भी ड्यूटी पर थे। रात को करीब साढ़े 11 बजे मोहल्ला रावका निवासी मनीष कुमार, जो अब पंप के पास बनी हुई हाउसिंग बोर्ड कालोनी में रहता है, बाइक पर सवार होकर पेट्रोल डलवाने के लिए आया। उसने उससे पूछा की कितने रुपये का पेट्रोल डालना है। इतना सुनते ही वह भड़क गया तथा उसने उसके साथ गाली गलोच शुरू कर दी। जब उसने कहा कि गालियां क्यों दे रहा है, तो उसने उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसके बाद उसने उसको फर्श पर गिरा दिया। वह उसको मारता हुआ पेट्रोल पंप के पास खड़ी हुई एक बस के पीछे ले गया। जहां पर उसने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। उसने बचाओ-बचाओ का शोर मचाया, लेकिन उसके साथ ड्यूटी दे रहे दोनों सेल्समैन देखते रह गए। उन्होंने उसका कोई बचाव नहीं किया न ही उन्होंने 112 पर फोन करके पुलिस को बुलाया। किसी तरह उसने बचाव किया।

महेंद्रगढ़। सांसद को ज्ञापन सौंपते संदीप मालड़ा। फोटो : हरिभूमि

सरकारी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड उपलब्ध कराने के लिए सांसद से की मुलाकात

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ में अल्ट्रासाउंड की सुविधा कराने के लिए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात की। संदीप मालड़ा ने बताया कि सिविल अस्पताल का नया भवन लगभग बनकर तैयार हो गया है। सिविल का सारा काम भी लगभग पूरा हो चुका है। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की व्यवस्था नहीं है, जिससे मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। खासकर गर्भवती महिलाओं को बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। उन्हें अल्ट्रासाउंड का कूपन लेने के लिए अपनी बारी का इंतजार टीनशेड में बैठकर करना पड़ता है। ऐसे में उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ने का डर रहता है। लंबे इंतजार के बाद अगर कूपन मिल भी जाता है तो फिर उसी कूपन से किसी प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर पर जाकर अल्ट्रासाउंड कराना पड़ता है तथा उसके बाद सरकारी अस्पताल में चिकित्सक को दिखाने के लिए दोबारा चक्कर लगाना पड़ता है। इससे ना सिर्फ समय और धन की बबार्दी हो रही है, बल्कि गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानी भी हो रही है।

रिवासा फ्लाईओवर से वेयरहाउस तक सड़क टूटी, दुकानदारों का व्यापार हो रहा प्रभावित

रेलवे रोड की हालत खस्ता होने से लोगों को उठानी पड़ रही है परेशानी

- रेल में सफर करने वाले यात्री को भी उठानी पड़ रहीं है परेशानी, प्रतिदिन 5 हजार यात्री करते है सफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के रिवासा फ्लाईओवर से वेयरहाउस तक की एक किलोमीटर की सड़क की हालात खस्ता होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। करीब 20 वर्ष पहले नगर पालिका की ओर से सड़क का निर्माण किया गया था। इसके बाद नपा द्वारा सड़क की मरम्मत तक नहीं कराई गई।

बता दें कि इस मार्ग की हालात पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। इस पर जगह-जगह कई छोटे-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इस मार्ग रेलवे स्टेशन तथा कई सरकारी कार्यालय होने के कारण लोगों का आवागमन बना रहता है, लेकिन सड़क की हालात खस्ता होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

इस सड़क से जब साधन गुजरते हैं, तब बहुत अधिक धूल उड़ती है। धूल दुकानों को घुस जाती है। इस मार्ग से कई स्कूलों की बसें भी गुजरती हैं। दुकानदार दुकान के सामने सड़क पर मलबा डलवा लेते हैं। इसके कारण सड़क उबड़-खाबड़ होने के कारण बारिश का पानी दुकानों के सामने खड़ा हो जाता है। इसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नगर पालिका प्रशासन को सड़क को शीघ्र दुरुस्त कराना चाहिए।

यात्रियों को परेशानी

समाजसेवी रामनिवास पाटोदा, दुकानदार नीरज, दुकानदार नरेंद्र कुमार व दुकानदार विजय कुमार ने बताया कि महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन करीब 5 हजार यात्री सफर करते है। सुबह जब लोग दिल्ली सामान लेन के लिए जाते है, तब अंधेरा होने के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते। इस मार्ग पर गड्ढे होने के कारण हादसा होने का डर बना रहता है। इस बार मार्ग को दोबारा से बनाने का मुद्दा उठाया जा चुका है। इसके बावजूद भी नगर पालिका की ओर से सड़क का निर्माण नहीं किया जा रहा है।

महेंद्रगढ़। रेलवे स्टेशन के समीप टूटी सड़क।

कई सरकारी व रेलवे स्टेशन होने के बाद भी नहीं ली जा रही सुध

इस मार्ग पर रेलवे स्टेशन भी पड़ता है। महेंद्रगढ़ रेलवे से प्रतिदिन करीब 5 हजार यात्री सफर करते हैं। सड़क की हालात खस्ता होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा इस मार्ग पर मार्केट कमेटी कार्यालय, खाद्य आपूर्ति विभाग, अनाजमंडी, वेयरहाउस होने के कारण लोगों को यहां आवागमन बना रहता है। इसके महज कुछ दूरी पर एसडीएम कार्यालय व सीआईए थाना भी है। इसके बावजूद भी नगर पालिका की ओर से इस मार्ग की सुध नहीं ली जा रहीं है। वहीं रेवाड़ी जाने वाले वाहन चालक कई बार मार्ग का उपयोग करते है। लेकिन मार्ग ही हालात खस्ता होने के कारण उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

दशोटन

पहले लड़के के जन्म पर दादा 'दशोटन' किया करता था जिसमें वह सारे गाँव तथा आस-पास के गाँवों के लोगों को भोज पर आमंत्रित करता था। 'दशोटन' एक प्रकार का बड़ा भोज होता है, जिसमें परिवार के मुखिया की शान-शौकत का पता चलता था। आजकल यह प्रथा लुप्त प्राय: है। सारा परिवार शिशु के लाड़-लड़ाने तथा पोषण में व्यस्त हो जाता है। परिवार में वंशवृद्धि की सब खुशियाँ मनाते हैं लेकिन 'दशोटन' अब कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है।

लुप्त हो रही सांस्कृतिक धरोहर जन्म संस्कार

परम्पराएं

डा. रमाकान्ता

प्राचीन उपनिषदों में हिन्दू धर्म के अनुसार प्रत्येक मानव के लिए जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वहन करना अनिवार्य बताया गया है। इनमें गर्भ में (जन्म पूर्व) तीन संस्कार गर्भधारण, पुंसवन, सीमन्तोनयन, जन्म के बाद चार संस्कार, जातकर्म निष्क्रमण,अन्नपूर्णा चूड़ामणि संस्कार हैं।

वैवाहिक संस्कारों में पिशाच विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, आयुर्वेद विवाह प्राजापत्य विवाह,आर्ष विवाह, दैव विवाह एवं ब्राह्मण विवाह, सात प्रकार के विवाह माने गए हैं। सोलहवां तथाअंतिम संस्कार मृत्यु संस्कार माना गया है। संस्कार किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत होते हैं जिसमें उस प्रदेश के समाज की परंपराएं,धार्मिक-सामाजिक मान्यताएं-आस्थाएं मूल रूप में प्रतिबिंबित होती हैं। इनका संरक्षण करने का दायित्व समाज की नई पीढ़ी का होता है। संस्कारों की एक श्रृंखला का लुप्त होना आने वाली पीढ़ी का समाज की धरोहर से वंचित होना है। वही संस्कृति दीर्घकालिक अस्तित्व में रहती है जिसकी परंपराएं जीवित हैं।

हरियाणा प्रदेश में जन्म संबंधी संस्कारों में गर्भधारण के पश्चात सर्वप्रथम सातवें मास में गर्भवती की गोद भराई की रस्म की जाती है। उस के सफल प्रसव तथा पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया जाता है। उसे पीहर ससुराल पक्ष के लोग उपहार देते हैं। इस अवसर पर मंगल गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर गाया जाने वाला लोक मंगल गीत इस प्रकार है :

पाँच पतासे पन्ना का बिडला, ले गणपत पै जाईयो जी,
पाँच पतासे लौगा का जोड़ा, ले पितरां थै जाईयो जी

शिशु जन्म के बाद सभी रीतियों को संपन्न करते समय मंगल गीत के साथ जज्चा गीत गाए जाते हैं।

इन गीतों में गर्भधारणा से लेकर ओजणे, कड़सूले, दाई गीत, होलर तथा व्यंग्य-हास्य गीत गाए जाते हैं :

मनै भावैं कराले के बेर रपैये के सेर, मेरा री मन बेर नै
सुसरे आगै अरज करूँ थी, मैंनें हरी-हरी दाख मँगा द्यो जी

गर्भ धारण करने के पश्चात गर्भवती की खान-पान रुचि बदल जाती है कभी उसे उल्टी की शिकायत होती है तो कभी खाने की वस्तुओं में से दुर्गन्ध आती है। उसका मन नित नई चीजे (खट्टी-मीठी) खाने को करता है। इनमें बेर, मतीरा, आम, गोला, सिंघाड़ा, सांभर फली, दाख प्रमुख है।

कड़सूले : कड़सूले का अर्थ है 'प्रसव की झूठी पीड़ा'। प्रसव से पूर्व गर्भवती को प्रसव पीड़ा का आभास होता है, इसे 'नकली दर्द' भी कहा जाता है। इस अवस्था में गर्भवती तथा घर वालों के हाथ पैर फूल जाते है तथा झटपट दाई को शीघ्र बुलाकर लाने की व्यवस्था की जाती है -

भाज-लूज कै नै सासू धोरै आई, दाई नै बुला दे री
सास मेरी कड़ म्हं दर्द सै
पड़दे के ओल्हे राजा, खड़्या-खड़्या डोलै
कहो तै जच्चा दाई नै ल्यावां रै बुलाय

लोक भाषा में 'कड़सूल कड़ तथा सूल अर्थात, कड़ का अर्थ कमर एवं सूल का अर्थ दर्द। प्रसव में उठने वाली कमर की दर्द।

स्वप्न : प्रसव से पूर्व गर्भवती को कई प्रकार के सपने आते हैं। वह सपने में स्वयं को पीला (पीलिया) ओढ़े हुए देखती है। पीलिया दिखाई देना पुत्र जन्म का संकेत माना जाता है। एक गीत प्रस्तुत है:

लाल पिलंग पै पिलियो धर सोई जी

प्रसव: प्रसव पीड़ी कव तीव्रता को भाँपते हुए घर की बड़ी - बूढ़ी, दाई अन्य समझदार महिला को बुलाकर लाने का आदेश गर्भवती अपने पति को देती है। इस अवर पर गर्भवती की मानसिक तथा शारीरिक अवस्था का चित्रण जन्म संबंधी लोक गीतों में सुन्दर ढंग से मिलता है -

नीची-नीच बगड़ बुहारूँ, दर्द उठ्या सै कमर महं
म्हारे पोहर तैं भंवर जो, माए बुला द्यो जी

शिशु जन्म : शिशु जन्म की घड़ी आ जाती है। जन्म होते ही थाल बजाकर गाँव को सूचित कर दिया जाता है। प्राचीन लोक परिवेश में समाज में पुत्र-जन्म की कामना की जाती थी। इतिहास साक्षी है कि पुत्री को जन्म के समय ही मार दिया जाता था अथवा पुत्री को सम्मान प्राप्त न था। पुत्री जन्म पर परिवार में शोक मनाया जाता था। उस के जन्म पर रीतियाँ सम्पन्न नहीं होती थी। यही कारण है कि लड़का-लड़की के अनुपात में भारी अन्तर आ गया। पुत्री जन्म पर गाए जाने वाले मार्मिक गीत उस समय की समाज की संकीर्ण मानसिकता के परिचायक हैं -

जिदिन लाडो तेरा जन्म होया था
एक रंगमहल की कूण, कन्या नै जन्म लिया

आज परिस्थितियाँ बिल्कुल बदल गई हैं। आज बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती है, पीलिया भेजा जाता है, कुआं पूजन होता है। बिरादरी तथा मित्रों में सहभोज दिया जाता है। यह परिवर्तन यकायक नही आया। बेटियाँ परिवार में बेटों से बढ़कर स्वयं को योग्य प्रमाणित कर रही है। यह सब शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो पाया है। आज बेटियाँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता प्रभावित कर रही हैं। अतः एक बेटी के जन्म से ही माता-पिता संतुष्ट हो जाते हैं तथा अन्य सन्तान की इच्छा ही नहीं रखते।

शिशु जन्म : वैज्ञानिक तथा जैनिक प्रक्रिया पूर्ण होने पर शिशु का जन्म हो जाता है। शिशु जन्म के पश्चात गर्भवती को 'प्रसूता' तथा लोकभाषा में 'जच्चा' कहा जाता है। शिशु-जन्म के पश्चात जच्चा-बच्चा को गर्म जल से स्नान कराया जाता है।

छुआणी : प्रसव के पश्चात जज्चा को गुड़, अजवायन, जीरा सौंफ तथा बादाम की तरल 'छुआणी' (पेय पदार्थ) गर्म-गर्म पिलाई जाती है। छुआणी प्रसव पीड़ा को दूर करती है तथा गर्भ के मल को साफ कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करती है।

घुट्टी पिलाना : जन्म के बाद शिशु को सर्वप्रथम शहद की 'घुट्टी' पिलाई जाती है। घुट्टी परिवार की वृद्ध स्त्री, माता अथवा बुआ द्वारा पिलाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह विश्वास किया जाता है कि शिशु घुट्टी पिलाने वाले व्यक्ति के अनुरूप गुणों वाला होता है इसलिए शिशु को घुट्टी पिलाने के लिए, ज्ञानवान, बुद्धिमान तथा गुणवान व्यक्ति का चयन किया जाता है। घुट्टी के रूप में शिशु की जीभ पर आस्थानुसार राम, ऊ अथवा राधे लिखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से शहद शिशु के पेट के मल को साफ करता है।

दुधी धुलाना : शिशु को स्तन-पान कराने से पूर्व जच्चा के स्तनों को अच्छी तरह गंगाजल, दूध और दूध से साफ तथा कीटाणु रहित किया जाता है। इस प्रक्रिया से जच्चा के स्तनों के बाद छिद्र खुल जाते है तथा स्तनों के ऊपर तथा आस-पास जमा हुआ कालापन भी साफ हो जाता है। माँ का दूध (स्तनपान) शिशु के लिए उत्तम आहार माना जाता है। माँ के दूध में सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व होते है। दूधी धुलाने की रीत घर की बेटी अथवा बुआ द्वारा सम्पन्न कराई जाती है उसे इस के लिए शगुन दिया जाता है।

> लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है।

नहाण बार केरे की रीत : शिशु जन्म के दूसरे अथवा तीसरे दिन 'नहाण बार' अथवा केरा घालने की रीत सम्पन्न की जाती है। जच्चा के कमरे के बाहर ओर एक ओर सातिए तथा दूसरी ओर छाबड़ी मंगल चिन्ह के रूप में गोबर द्वारा बनाए जाते हैं। ये दोनों शिशु जन्म के शुभ संकेत माने जाते हैं। इन के आगे वस्त्र (तीयल) तथा गेहूँ के दाने भी रखे जाते हैं। पड़ौस की महिलाएं 'केरे' के रूप में गेहँ के दाने अपने घरों से लाती है तथा पास रखी परात अथवा तसले में डाल देती हैं। यह भी एक प्रकार का शगुन माना जाता है। इन गेहूँ के दानों को घर की बेटी अथवा नाईन ले जाती है। इस अवसर पर मंगल गीत, पितर गीत तौर जच्चा गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर जच्चा के हँसी-ठिठोली करने के लिए, सीठने जैसे व्यंग्य गीत तथा हास्य गीत गाए जाते हैं।

छटी गीत इस प्रकार है :

रात छटी का आई खुशी हुई गात म्हं
पहली बधाई उसके दादा नै होवै
जिस की बेल बधाई, खुशी हुई गात क्हँ

शिशु जन्म के छटे दिन छटी मनाई जाती है। लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है। इस दिन 'बेमाता' के स्वागत में कई प्रकार के पकवान बनाए जाते है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि छठी के दिन सब कुछ खा लेने के बाद जच्चा सब कुछ खाना आरम्भ कर देती है जो शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।

सूतक लगना एवं शुद्धिकरण : जिस परिवार में शिशु जन्म लेता है उस परिवार में सूतक लग जाता है। सूतक से अभिप्रायः है 'अशुचिता' अर्थात 'अशुद्धता'। उस घर के मन्दिर में कुछ समय के लिए ज्योत-बत्ती भी नही लगाई जाती। घर के सदस्य किसी पूजा-पाठ में भी भाग नहीं ले सकते। पानी के साधन घड़ादि भी हटा दिए जाते है। 11-12वें दिन घर में यज्ञ करवाने के बाद घर का शुद्धिकरण किया जाता है। सूतक एक दादा की सभी पुत्र संतानों के घर लग जाता है।

पीहर में भेली भेजना : शिशु जन्म के पश्चात शिशु जन्म की सूचना के रूप में जच्चा के पीहर में गुड़ की भेली भेजी जाती है। पहले समय में यह पुत्र-जन्म पर ही भेजी जाती थी। भेली ससुर अथवा जेठ लेकर जाता था। वहाँ उसे शगुन रूप में धनराशि दी जाती थी। भेली भेजना शिशु जन्म का सूचक है। कुँआ पूजन के पश्चात बहन-बेटियों को उचित नेग देकर विदा किया जाता है। जन्म की इन परम्पराओं में से अधिकतर नेग-टेहले लुप्त हो गए हैं। आज की पीढ़ी की महिलाएं इन के नाम तक नहीं जानती। इस का मूल कारण यह है कि आजकल प्रसव पुरानी परम्परा के अनुसार निपुण 'दाईयों' से न करवाकर हस्पतालों में करवाया जाता है। प्रसव बाद के नेग-टेहले वहाँ सम्पन्न नहीं किए जाते। आज आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को इन परम्पराओं से अवगत अवश्य कराया जाना चाहिए।

कविता — महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जीवन वैतरणी

गुरु की आज्ञा मोक्ष दिखावै ध्यान हरि का धर जागा
ज्ञान, ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जाएगा

माता-पिता गुरु की सेवा करनी चाहिए चित लाकै
सेवा करकै पार हुवै या तू देख लिए मेवा खाकै
पुत्र चाहवै तो सन्त की सेवा मोह माया बिसराकै
धन चाहवै तो धर्म करा कर तीर्थों पै जा जाकै
भुखे न भोजन करवाकै,ताज शीश पर धर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

विद्वानों की सेवा कर जब मां सरस्वती का वासा हो
गऊ के घी में हवन करा कर कद्दे नहीं निराशा हो
पर त्रिया तै बचकै रहिये जब वंश बेल की आशा हो
अतिथि की सेवा करिये जब सफल तेरा घरवासा हो
आदम देह नै रासा हो ,जब पड़ा पाप का भर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

चुगली चाटी करणिया मानस गुगा और बहरा हो
नाविक बिन नैया डूबै यो ज्ञान का दरिया गहरा हो
वो नर मुक्ति पावैगा जो श्री गुरु चरण मैं रहरा हो
नुगरे का कुण करै भरोसा जो सब तरिया तै बहरा हो
जो सत्संग न लहरा हो,वो अपने आप समर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

जो वेद शास्त्र रटले मानस वो वेदाचारी रहा करै
बिना भुख चाहें मेवा खाले वाह भी खारी रहा करै
दादा मांगेराम की सेवा कर वो आज्ञाकारी रहा करै
गुरु अमरसिंह बिलोटे आला वो अटल अटारी रहा करै
जडै गरुड़ सवारी रहा करै,तू महेंद्र सिंह डिगर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

कविता — संदीप शर्मा

साँझ निगोड़ी

ढळ-ढळ जावै नित ,साँझ निगोड़ी !
सांस चलैं सैं पर , जिंदगी तो थोड़ी !

आधी तो सोकै खोई ,रोकै भी खोई गई
लोभ और त्रिया मैं ,माया मैं मोही गई
बणना भी चाहुँ था मैं, सेठ किरोड़ी !

विषयों का पान कर् या, तन मैं बिरान कर् या
राम नै दी जिंदगी का, मनैं अपमान कर् या
चढ़-चढ़ चाल्या मैं तो, ख्यालां की घोड़ी !

पढ़ अनजाण होया, खुद का ना ज्ञान होया
जन्म मनुष का हीरा, पशुआं समान होया
टूटी नहीं रै मेरी ,घमंड की ज्योड़ी !

मोती भी सीप होज्या ,जलता जै दीप होज्या
करले भलाई जै तूं , पार संदीप होज्या
ना तै सूखी जा सै तेरी, सासां की जोहड़ी !

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दरकते रिश्ते — पहले एक-दूसरे के यहां आने-जाने से रिश्ते मजबूत होते थे और उनमें भावनात्मक लगाव पैदा होता था, अब पहले वाली बात नहीं रही

अब रिश्तेदारियों में नहीं , पर्यटन स्थलों पर बीत रहीं छुट्टियां

परिवेश

राज कुमार नरवाल

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ने वाली है। सब होटल फुल हो जाएंगे और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहेगी। देशभर से लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचेंगे तो अव्यवस्था होना लाजमी है। प्रशासन को भीड़ को कंट्रोल करने और उनके लिए व्यवस्था बनाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई करना भी स्थानीय प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पहले गर्मी की छुट्टियों में लोग अपने बच्चों को पर्यटन स्थलों पर न ले जाकर नाना-नानी, बुआ या मौसी के पास ले जाते थे। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत होते थे। रिश्तेदारों के बीच भावनात्मक लगाव पैदा होता था। अब लोग अपने बच्चों को रिश्तेदारियों में नहीं ले जाते। बचपन घरों में कैद हो गया है। एक दूसरे की देखा देखी या अपनी शान ओ शौकत दिखाने के लिए लोग पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। शहरी बच्चे छुट्टियों में गांव चले जाते थे। इस दौरान उन्हें ग्राम्य जीवन के बारे में जानने का मौका मिलता था। खेतों में उगाई जाने वाली सब्जियों, हरा चारा और अन्य फसलों की जानकारी हो जाती थी। खेतों में पेड़ पौधों और नदियों, नहरों, रजवाहों और खेतों की सिंचाई प्रक्रिया जानने का मौका मिलता था। खेती बाड़ी, पशुपालन के अलावा वहां के खान-पान और रहन-सहन की पूरी जानकारी मिल जाती थी।

दूध दुहना और दूध बिलौना सीखते थे। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को जानने का मौका मिलता था। गांव के जोहड़ में बच्चे तैरना सीख जाते थे। रात को सोते समय नाना-नानी, मौसा-मौसी अथवा बुआ-फूफा बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियां सुनाते थे, ये शिक्षाएं बच्चों के जीवन में काम आती थी। पिछले कुछ दशकों में रिश्तेदारों के बीच आपसी मेल-जोल में कमी और संबंधों में खटास आई है। इसका खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। लोगों ने रिश्तेदारियों में जाना कम कर दिया है।

लोग अपने बच्चों को तो रिश्तेदारी में भेजना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। जिस वजह से अगली पीढ़ी के बीच भावनात्मक लगाव नहीं बन पाता और रिश्ते केवल दिखावे के रह गए हैं। ऐसे में ब्याह-शादी के आयोजनों में रिश्तेदारों का शामिल होना भी केवल खानापूर्ति ही रह गया है। पहले रिश्तेदार के सुख-दुख में लोग दिल से शामिल होते थे। कोई बीमार हो जाता अथवा किसी की मौत हो जाती तो रिश्तेदारों को काफी दुख पहुंचता था। अब शोक और बीमारी में रिश्तेदारी में जाना केवल मजबूरी भर रह गया है। इसकी वजह यही है कि बच्चों को हम रिश्तेदारियों में आने-जाने का मौका ही नहीं देते। जिस वजह से अगली पीढ़ियों के बीच मेलजोल नहीं बन पाता, वरना रिश्तेदारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी।

गर्मी की छुट्टियों में हुनर सीखते थे बच्चे

गर्मी की छुट्टियों में लड़कियां घर के काम-काज करना सीखती थी ताकि ससुराल में उन्हें खाना बनाने और घर के दूसरे काम करने में दिक्कत न आए। माताएं लड़कियों को तरह-तरह के अचार बनाना और कपड़े सीलना सिखाती थी। इसी तरह पिता अपने बेटों को छुट्टियों में खेतों में ले जाते थे। उनसे खेत के काम करवाते थे। पशुओं को पानी पिलाने, उनको नहलाने और चराने का काम सिखाया जाता था। जिन लोगों के पास पशुपालन व खेती बाड़ी का काम नहीं होता था, उनके बच्चे रिश्तेदारियों में जाते थे, तो वहां पर वे ये काम सीख लेते थे।

अपरिचित जगहों पर होने लगी हैं शादियां

पहले रिश्तेदारों के जरिए ही युवक-युवतियों के ब्याह सगाई होते थे। बच्चे रिश्तेदारियों में आते जाते थे, तो उनके बारे में रिश्तेदारों को पूरी जानकारी होती थी। उनकी पढ़ाई लिखाई, उनके स्वभाव और उनके हुनर की पूरी जानकारी होती थी। लेकिन अब रिश्तेदारों तक को यह नहीं पता होता कि उक्त रिश्तेदार का बेटा या बेटी में क्या हुनर है और उनका स्वभाव कैसा है। पहले बताया जाता था कि हमारे फलां रिश्तेदार की बेटी या बेटा ऐसे हैं और तुम्हारे लिए यह रिश्ता बिल्कुल अनुकूल है। अब बिना परिचय वाली जगह से रिश्ते बनते हैं और जल्दी ही वे टूट भी जाते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

संबंध : रिश्तों में आपसी संबंध मधुर और मजबूत होने चाहिए। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान, विश्वास और सहयोग आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर मिल-जुल कर बातचीत करते रहना भी ज़रूरी है।

सम्मान और विश्वास: एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और रुचियों का सम्मान करना चाहिए। विश्वास रिश्ते की नींव है, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

सहयोग: मुसीबत के समय एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है।

क्षमाशील होना: एक-दूसरे की गलतियों को माफ करना चाहिए। इससे रिश्ते में प्यार और विश्वास बना रहता है।

संचार : नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते रहना चाहिए। यह रिश्तों को मजबूत बनाता है।

फिल्मों की कहानियां देती हैं सकारात्मक संदेश : संजय सैनी

कलाकार — ओ.पी. पाल

हरियाणवी कलाकारों ने प्रादेशिक संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की पहचान देश-विदेश तक पहुंचाई है, जिसमें हरियाणवी फिल्मों, लोक संस्कृति से जुड़ी रागनी, सांग तथा लोक संगीत के क्षेत्र की अलग विधाओं में कलाकारों का हुनर अपनी अलग ही पहचान रखता है। ऐसे ही कलाकार हैं संजय संजू सैनी, जिन्होंने एक छोटे से गांव से बॉलीवुड तक अपने अभिनय का सफर तय किया है। उन्होंने कई फिल्मों और वेबसीरीज की कहानियां लिखीं और उन पर बनी फिल्मों का निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है। उन्होंने अपने लेखन, फिल्म अभिनय और निर्देशन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिसमें कला की हर विधा समाजिक सरोकार के मुद्दों में सकारात्मक संदेशों का समावेश करने में सक्षम है।

हरियाणा संस्कृति संवर्धन में जुटे लेखक एवं निर्देशक संजय संजू सैनी का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को जींद जिले के गांव बरौली में एक किसान परिवार में कंवर सिंह और इंदू देवी के घर में हुआ। इनके पिता हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में अध्यापक पद पर कार्यरत रहे, जबकि माता गृहिणी हैं। इनके पिता नौकरी करने के अलावा खेती-बाड़ी में भी हाथ बंटाते थे। परिवार में इनके चाचा पंजाबी भाषा के अध्यापक हैं, जो सुरजीत बिंदरखिया की कैसेट लाते थे। शायद उसी के कारण उन्हें बचपन में कला व संगीत में अभिरुचि होने लगी। उनके गांव की ही एक टोली रागनी गाने और घढ़वे-बैंजो बजाती थी, तो वह भी चोरी छिपे उनके साथ रहता था। बकौल संजय सैनी, पहली बार उन्हें लिखने का एहसास उस समय हुआ था, जब उनके दोस्त के उपर प्रस्ताव लिखना था। संजू ने मॉय बेस्ट फ्रेंड को अलग-अलग तरीक़े से चार बार लिख दिया था। इसमें एक बार हास्य, फिर दुख, इसके बाद गंभीर और अंत में गुस्सैल तरीके से लिखा, तो उनके अध्यापक ने उनकी पीठ थपथपाई थी। दरअसल यह लिखने का कारण था कि सबके दोस्त एक जैसे कैसे हो सकते है? उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने दोस्त के साथ गलती से 'चंडीगढ में पंजाब कला भवन सेक्टर 16 गया, जहां उन्होंने मंचन देखा और फिर वहीं का होकर रह गया। नकी पहली कृति एक कविता थी, जो कि एक न्यूज़ चैनल की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई थी। दरअसल वह कॉलेज के दिनों में ही फिल्म की कहानी लिखने लगे थे। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई के दौरान रॉकी मेंटल की कहानी लिखी और सौभाग्यवश इसे चयनित कर लिया गया। इसके बाद मन में आया कि उन्हें लेखन कार्य को अपना करियर बनाना चाहिए। हाल ही में उनके कुछ प्रोजेक्ट बड़े प्रोडक्शन हाउस से आने वाले हैं। सैनी ने बताया कि उनके फ़िल्मों का सफ़र कुछ ऐसा रहा कि फ़िल्म की कहानी लिखने और अपनी लिखी फ़िल्म थिएटर में देखने का मौका मिल गया था, लेकिन तब भी इधर काम करने का इरादा कम ही था। लेकिन उनकी लिखी हुई पहली दोनों कहानियों पर फ़िल्म बनी, तो उनका खुद पर आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उन्हें लगा कि जो वह करने आया था वह उसी राह पर है। फिल्म निर्देशक संजय संजू सैनी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह डाक्टर नहीं बन पाया। मन में यह ऐसी पीड़ा बस गई कि नौकरी करना उनकी किस्मत में नहीं था, क्योंकि उनका लेखन की तरफ ज्यादा रूझान बढ़ता गया। वह असमंजस में रहे कि फिल्म लाइन का कोई भरोसा नहीं, फ़िल्म बन भी गई तो चलेगी या नहीं, इसका डर अलग रहा। इन सभी सवालों का जवाब उन्हें उनके स्वर्गीय दादा हवा सिंह ने देते हुए दिया कि बेटा खेती कौनसा सिक्योर है? लेकिन हमने भी तो जीवन निकाल लिया और उतार चढ़ाव आना जिंदगी का हिस्सा है। इसलिए जो कर रहे हो उस पर ध्यान रखते हुए शिद्दत से काम करो। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यहां से मिली मंजिल

लेखक एवं निर्देशक संजय सैनी ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेली है और राज्य स्तर के टूर्नामेंट तक खेला। उन्होंने कालेज की पढ़ाई के दौरान ही खेलों पर फिल्म 'रॉकी मेंटल' की कहानी लिखी और उसे फिल्म के लिए चुना गया। उन्होंने वेबसीरीज फिल्म अखाड़ा (एक और दो), स्कैम, पिंकी भाभी के किरदार की पटकथा लिखी और अभिनय भी किया। अखाड़ा के लिए उन्हें हिप्फा से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों और उनके संघर्ष पर ही आधारित फिल्म 'अखाड़ा' वेबसीरीज को लेकर लेखक संजय सैनी काफी चर्चा में है। इसके निर्माण के लिए उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के गांवों और छोटे कस्बों में शोध कार्य करके यह वेब सिरीज लिखी है। वर्तमान में वह बॉलीवुड में दो हिंदी फ़िल्म, एक वेब सीरीज़ में बतौर लेखक और निर्देशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

खबर संक्षेप

शहर में निकाली 141वीं प्रभात फेरी

नारनौल। श्री राधा नाम की अलख जगाने वाली शहर की प्रमुख धार्मिक व सामाजिक संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 141वीं प्रभात फेरी का आयोजन आर्य चौक मोहल्ला सलामपुरा से किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान शान्ति देवी पत्नी रामसिंह सैनी ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन का तिलक लगाया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते, गाते राधे नाम का जाप किया। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान आर्य चौक से प्रारंभ होकर मोहल्ला सलामपुरा, बावडीपुर में परिक्रमा करके प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। परिक्रमा मार्ग में सभी ने एक भाव से प्रातः काल की बेला में ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का स्मरण किया।

राहगीरों व बच्चों को छोले चावल खिलाकर मनाया जन्मदिवस

नारनौल। स्लम एरिया टैलेंट व नारनौल मेरी जान सोशल मीडिया टीम ने स्लम एरिया टैलेंट में पढ़ने वाली बच्ची प्रियंका के जन्मदिवस के अवसर पर आने जाने वाले 300 राहगीरों व स्कूल के बच्चों को छोले चावल खिलाए।। हनी गुप्ता ने बताया कि प्रियंका एक बहुत ही होनहार बच्ची है, जो सुबह स्लम एरिया टैलेंट में पढ़ाई करती है और शाम को घर की जिम्मेदारी को संभालने के लिए बर्गर व चाउमीन की रेहड़ी लगाती है। प्रियंका ने अभी अपनी मेहनत और लगन से हाल ही में 10वीं की परीक्षा भी पास की है। नारनौल मेरी जान से साहिल भाई ने बताया कि स्लम एरिया टैलेंट की टीम प्रियंका की तरह ही 115 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का कार्य कर रही है।

एडवोकेट प्रविंद्र छितरोली को पितृशोक

कनीना। छितरोली निवासी एडवोकेट प्रविंद्र कुमार के पिता फकीरचंद का निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे तथा सामाजिक व धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेते थे। उनका अंतिम संस्कार गांव के स्वर्गाश्रम में किया गया। वे अपने पीछे पुत्र प्रविंद्र सहित चार पुत्रियों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उनकी श्रद्धांजलि सभा गांव छितरोली में आगामी पांच जून को की जाएगी। उनके निधन पर पंचायत समिति चेयरमैन जेपी यादव, बार एसोसिएशन के प्रधान मंजीत यादव, एडवोकेट सतीश भाटोटिया, ओपी यादव, राजेश यादव ने शोक जताया है।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। **फोटो : हरिभूमि**

भक्तिमय माहौल में सम्पन्न कृष्ण संगठन की 124वीं प्रभात फेरी

नारनौल। राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 124वीं प्रभात फेरी का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। यह प्रभात फेरी प्रातः छह बजे मोहल्ला परस पुल बाजार से आरंभ हुई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु महिला, पुरुष व बच्चों ने भाग लिया। प्रभात फेरी के यजमान अमरनाथ सोनी ने अपने निवास स्थान पर परिवार सहित ठाकुर जी की पूजा अर्चना व आरती कर फेरी का शुभारंभ किया। सभी श्रद्धालुओं को चंदन का तिलक लगाकर भक्ति यात्रा का आरंभ किया गया।

आरपीएस कॉलेज बलाना में टेलेंट हंट एवं छात्रवृति परीक्षा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ

आरपीएस विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य के लिए 360 डिग्री पर काम करता है: इंजीनियर मनीष राव

महेंद्रगढ़। कलाकार जगबीर राठी को सम्मानित करते कॉलेज प्रबंधन समिति के सदस्य व कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते कलाकार जगबीर राठी। **फोटो : हरिभूमि**

गांव बलाना स्थित आरपीएस कॉलेज बलाना में रविवार को आयोजित टेलेंट हंट एवं छात्रवृति परीक्षा के लिए देश-प्रदेश से बारहवीं बोर्ड कक्षा से पास सभी संकायों के 1834 छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का जज्बा दिखाया। परीक्षा शुभारंभ पर मुख्यातिथि हरियाणवी लोक कलाकार डॉ. जगबीर राठी ने मां सरस्वती की पूजा वंदना के साथ हरियाणवी लोक संगीत, भजनों व हरियाणवी जोक से सभी विद्यार्थियों व अभिभावकों का मनोरंजन कर अपनी ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम में संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव विशिष्ट अतिथि, संस्था सीईओ इंजिनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव, प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान, डीन आरएस यादव ने बताया कि देश-प्रदेश की प्रतिभाओं को जांचकर उन्हें विशेष मंच तथा उनके सपनों को साकार करने के लिए विशेष प्रकार की टेलेंट हंट कम छात्रवृति परीक्षा का आयोजन किया, जिसमें प्रत्येक संकाय में प्रथम स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को लेपटॉप, द्वितीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को टैब, तृतीय स्थान हासिल करने वाले सभी संकायों के छात्र-छात्राओं को एंडरॉयड मोबाइल दिया जाएगा।

विद्यार्थियों को दी जाती है रोजगार परक शिक्षा

डॉ. जगबीर राठी ने बताया कि अब आरपीएस संस्थाओं ने शिक्षा के द्वारा दक्षिणी हरियाणा को एक नई पहचान पूरे देश में दिलवाई है। विद्यार्थी को यहां पढ़कर अवश्य अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगा। सीईओ इंजि मनीष राव ने बताया कि आरपीएस कॉलेज विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए 360 डिग्री पर कार्य करता है। यहां शिक्षा व रोजगार में सफलता के लिए शत प्रतिशत काम करके विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचा रहा है। साथ-साथ सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रथम के साथ खेलों में भी पूरे विश्वविद्यालय में शीर्ष पर है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बताया कि यह विद्यार्थी सैलाब इस बात की प्रतीक है कि आरपीएस कॉलेज प्रत्येक क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहा है।

दिनकर बोहरा की स्मृति में शोक सभा आयोजित

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। शोक सभा में भाग लेते शहर के लोग। **फोटो : हरिभूमि**

रामलीला परिषद् प्रांगण में परिषद् परिवार द्वारा प्रधान दिनकर बोहरा के निधन के उपरांत शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में रामलीला परिषद् के कार्यकारिणी सदस्यों, नगर की सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों समेत नगर के प्रबुधजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। परिषद् के पूर्व प्रधान चेतनप्रकाश गौड़, सुधीर दीवान, अनिल कौशिक, कॉपरेटिव बैंक के चेयरमैन राजेंद्र शर्मा, नगरपालिका प्रधान रमेश सैनी, लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष महावीर भारद्वाज, व्यापार मंडल के प्रधान सुरेंद्र बंटी, व्यापारी नेता नरेश चेयरमैन, एबीवीपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शास्त्री, आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता रामजीवन मित्तल, पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रदीप बालरोडिया, ब्राह्मण सभा के प्रधान दिनेश वैध सहित अनेक लोगों ने उनको शब्दों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की।

विकसित कृषि संकल्प अभियान से जुड़े किसान

किसानों को दी सरकार की योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी देते अधिकारी। **फोटो : हरिभूमि**

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तीन टीम का गठन कर विकसित कृषि संकल्प अभियान के चौथे दिन गांव डुलाना, खेड़ा, सुरजनवास, मेघनवास, बुचौली, चितलांग, बसई, व आकोदा गांवों का दौरा किया। गांव बुचौली में मुख्य अतिथि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य, बागवानी, इफको, हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र आदि विभागों से कर्मचारियों ने किसानों के कल्याण के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं। गांव बुचौली के सरपंच प्रतिनिधि द्वारा पूरी टीम को स्मृति चिन्ह भेंट कर कर सम्मानित किया गया। इस दौरान किसानों को खरीफ फसलों विशेषकर बाजरा, कपास, मूंग, ग्वार व तिल की उन्नत कृषि क्रियाओं के बारे जानकारी दी। टीम एक का नेतृत्व कर रहे जिला विस्तार व पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेन्द्र यादव व जिला विस्तार गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. पूनम यादव ने किसानों को खरीफ फसलों के एमएसपी के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को परम्परागत खेती से हटकर वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने की सलाह दी। बाजरे के मूलय संवर्धित उत्पाद जैसे केक, ढोकला, लड्डू, मटर, टिक्की सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस कौशल का प्रयोग कर कम कीमत में लघु उद्योग लगाकर अधिक लाभ कमाया जा सकता है, क्योंकि इस प्रकार के बाजरा व्यंजन बाजार में उपलब्ध नहीं है। टीम दो का नेतृत्व रहे डॉ. राजपॉल यादव ने किसानों को आमदनी बढ़ाने के लिए जल संरक्षण, जैविक खादों तथा उन्नत किस्मों की ओर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने मिट्टी के नमूने लेने के तरीके व फसलों में पोटाश तथा अन्य खादों के संतुलित प्रयोग के बारे में बताया। टीम तीन का नेतृत्व कर रहे डॉ. आशीष शिवरान ने किसानों को खरीफ फसलों में बिजाई से पहले खादों के प्रयोग, बिजाई का समय, किस्म, खरपतवार नियंत्रण एवं सिंचाई के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से एसडीओ कृषि अधिकारी डॉ. अजय यादव, सुधीर यादव, पारस, रविंद्र, बहराम यादव, पशु पालन व डेयरी विभाग से डॉ. अशोक कुमार, डॉ. पुनित यादव, डॉ. सुमित सोनी, डॉ. मधुसुदन, बागवानी विभाग से सांवरमल चौधरी, नवीन, सतीश कुमार, मत्स्य विभाग से सोमदत्त, मंजीत व महेश तथा इफको से महेश, केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा से डॉ. सुरेंद्र सिंह ने सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल में धूम्रपान के प्रति बच्चों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज मंडी अटेली

मंडी अटेली। तंबाकू दिवस पर धूम्रपान से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर में बच्चों को धूम्रपान से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया। इस मौके पर स्कूल प्राचार्य अनूप कुमार ने धूम्रपान को समाज का सबसे बड़ा शत्रु बताया और कहा कि यह केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को अंदर से खोखला कर देता हैं। वहीं सभी बच्चों को धूम्रपान से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस मौके पर स्कूल के चैयरमेन पूर्व सरपंच एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर सिंह ने बताया कि धूम्रपान को एक मीठा जहर है, जिससे पहले व्यक्ति, फिर घर और फिर पूरा समाज प्रभावित करता है। युवा पीढ़ी को इस के लिए सतर्क रहना जरूरी है। धूम्रपान जानलेवा बीमारी है। तम्बाकू का सेवन कई तरह के कैंसर, विशेष रूप से फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। यह ओरल, गले, ग्रासनली, मूत्राशय और अग्नाशय के कैंसर का भी कारण बन सकता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सन् 1987 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

राव सुल्तान में अध्यापक अभिभावक बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेते शिक्षक एंव अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

गांव निम्बेहड़ा स्थित राव सुल्तान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अध्यापक-अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में पहुंचे अभिभावकों का संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव, प्राचार्य राजकुमार शर्मा व उप प्राचार्य रामकुमार ने स्वागत किया। संस्था निदेशक ने बताया कि प्रत्येक महीने इस मीटिंग का आयोजन किया जाता है। शुरूआत में लोगों का इस प्रकार की मीटिंग में कोई रुचि नहीं दिखाई पड़ती थी, लेकिन समय के साथ उनके दिमाग में आने लगा कि हमें विद्यालय में अवश्य जाना चाहिए, ताकि हम अपने बच्चों की पूरी रिपोर्ट ले सकें और जो कमी लगती है उसका हम सभी पक्ष मिलकर समाधान कर सके। यदि समय रहते इसका समाधान किया जाए तो बच्चे का भविष्य ठीक हो सकता है।

प्राध्यापिका सविता यादव को मिली सेवानिवृत्ति तो अनीता दहिया को मिला पदोन्नति का इनाम

हरिभूमि न्यूज नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में दोनों महिलाओं को सम्मानित करते हुए।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निजामपुर में हिंदी प्राध्यापक सविता यादव की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह एवं अनीता दहिया के राजनीतिक विज्ञान प्राध्यापक से प्राचार्य पद पर पदोन्नति होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह मे मुख्य अतिथि रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश सचिव धर्मपाल शर्मा थे। समारोह की अध्यक्षता स्थानीय विद्यालय की प्रिंसिपल बिंदु यादव ने की। इस अवसर पर निजामपुर के सरपंच सुरेन्द्र कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। मंच संचालन राजेंद्र शास्त्री ने किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि सविता यादव में एक आदर्श अध्यापिका के सभी गुण मौजूद हैं। वे कुशल व्यवस्थापक और प्रबंधक रही हैं। इन्होंने शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने एवं छात्रों की प्रतिभा के विकास के लिए कार्यकर्मों में रुचि ली। वह विद्यार्थियों व अध्यापकों की सदैव हितेषी रही है। विद्यालय प्राचार्य बिंदु यादव ने कहा कि अनिता दहिया का भी व्यक्तित्व बहुमुखी है। वहीं कुशल प्रबंधक, सफल अध्यापक, अपने सहयोगी अध्यापकों के साथ मित्र और परिवार के सदस्यों की तरह सौहार्दपर्ण आचरण करने वाली तथा अपने छात्रों के लिए सबकुछ करने के लिए तत्पर अपने कार्य के प्रति पूर्णतया समर्पित सच्चे अर्थों में अध्यापिका रही हैं।

बुजुर्गों की सेवा करना हमारा धर्म: राव बहादुर सिंह

■ यदुवंशी स्कूल महेन्द्रगढ़ में दादा-दादी, नाना-नानी सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते छात्र। **फोटो : हरिभूमि**

शहर के बुचौली रोड स्थित यदुवंशी शिक्षा निकेतन में कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जिससे वातावरण में श्रद्धा और भक्ति का संचार हुआ। विद्यार्थियों ने अपने प्रिय दादा-दादी व नाना-नानी के लिए विशेष नृत्य प्रस्तुतियां दी। साथ ही भावनाओं से भरपूर कविताओं और भाषणों के माध्यम से बच्चों ने अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता प्रकट की। कार्यक्रम को आकर्षक एवं रूचिकर बनाने के लिए कुछ खेलों का भी आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठजनों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। वहीं साप्ताहिक गतिविधियों के अंतर्गत कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बुचौली स्थित बटर फ्लाई वाटर पार्क के शैक्षणिक भ्रमण का आनंद लिया। विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार ने बताया कि इस प्रकार कि यात्राएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि ऐसे बच्चे बड़े खुशकिस्मत होते हैं जिनके सिर पर अपने दादा-दादी का साया होता है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव आदि उपस्थित रहे।

कर्तव्यनिष्ठ व समर्पित कर्मचारी के रूप में याद रहेंगे अतर सिंह: मोरवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर में सुख सहायक अतर सिंह के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य ओमप्रकाश मोरवाल थे। अध्यक्षता प्राचार्या सीमा यादव ने की। विशिष्ठ अतिथि अशोक कुमार अनुभाग अधिकारी रहे। समारोह में अतर सिंह की 30 साल की समर्पित सेवा की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि मोरवाल ने कहा कि राजकीय सेवा से बेदाग सेवानिवृत्त होना एक उपलब्धी है। संचालन कर रहे प्रवक्ता अभय सिंह ने कहा कि अतर सिंह की कार्यशैली व दिनचर्या दोनों प्रशंसनीय हैं। उन्होंने ने अपना पूरा कार्यकाल समर्पित भाव से गुजारा है। प्रवक्ता दिनेश गांधी ने कहा कि सेवानिवृत्ति व्यक्ति के जीवन की नई पारी होती है। डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि अतर सिंह को उनकी कर्तव्यनिष्ठ सेवाओं व मधुर व्यावहार के लिए सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यालय की तरफ से स्मृति चिह्न, शॉल व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया।

बनिहाड़ी के ग्रामीणों को कराया योग प्रोटोकॉल अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

बनियाड़ी के राजकीय उच्च विद्यालय में योग प्रोटोकॉल का अभ्यास शिविर लगाया गया। जिला आयुर्वेद्रिक अधिकारी डॉ. शशिबाला व जिला कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश कुमार के संयोजन में हुए कार्यक्रम की शुरूआत आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. ललित मोहन जोशी और प्राचार्या सुनीता कुमारी ने की। कार्यक्रम में पंहुचे योग सहायकों ने 45 मिनट के योग प्रोटोकाल अभ्यास के तहत स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को योग करवाया तथा अपने दैनिक जीवन में योग अपनाने की अपील की। डॉ. ललित मोहन जोशी ने कहा कि विभाग की ओर से तय कार्यक्रमों के अनुसार गांव गांव में योग अभ्यास कराया जा रहा है, क्योंकि आज की इस भागदौड़ भरी जिदंगी मे इंसान अपने लिए टाइम ही नहीं निकाल पाता है।

अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर भाषण प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले सम्मानित

समर्पण व अनुशासन के साथ प्रशासन चलाने वाली शासक थीं अहिल्याबाई होल्कर

हरिभूमि न्यूज नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए। **फोटो : हरिभूमि**

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती नगर के मुहल्ला चौधरियान स्थित हरियाणा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बड़े उत्साह व श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए ट्रस्ट की साहित्यिक इकाई के प्रभारी ओशिन शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला कार्यवाह प्रेम सैनी मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित रहे। अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। विशिष्ट वक्ता के तौर पर डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन चेयरमैन हितेंद्र शर्मा ने किया व संचालन रामनिवास डीपीई ने किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रेम सैनी ने कहा कि अहिल्याबाई दूरदर्शी नेतृत्व, आध्यात्मिक ऊर्जा, समर्पण तथा अनुशासन के साथ प्रशासन चलाने वाली महिला शासक थी। उन्होंने कहा कि महारानी अहिल्याबाई कभी युद्ध नहीं हारी और हमेशा अजय रही। उन्होंने धर्म, संस्कृत तथा पुरुषार्थ के क्षेत्र में अपार योगदान दिया। डॉ. संजय शर्मा ने अहिल्याबाई के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्हें पुण्य श्लोका व लोकमाता जैसी संज्ञाएं विरासत में नहीं अपितु समर्पण और प्रजा की सेवा से प्राप्त हुई थी। डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौड़ी गांव में हुआ था। पिता मानकों सिंधे पाटीदार थे और माता का नाम सुशीला सिंधे था। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों के लिए अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतिभागियों को ट्रस्ट की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। ट्रस्ट की ओर से हरियाणा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की निर्देशिका संगीता शर्मा को सम्मानित किया गया। इस मौके पर चेयरमैन हितेंद्र शर्मा, निर्देशिका संगीता शर्मा, प्राचार्य अवनीश सैनी, डा. जितेन्द्र भारद्वाज, डॉ. संजय शर्मा, ओशिन शुक्ला, रामनिवास डीपीई, अशोक यादव, संजय कुमार, नरेश कुमार, दीपक कुमार, वंदना सैनी, अल्पना शर्मा, लक्ष्मी चौहान मौजूद रहे।

गंदे पानी में पार्षद को चलाया फिर वीडियो वायरल की, कार्रवाई की मांग पर सदन लामबंद होकर एसपी से मिला

- पार्षद को गंदे पानी में चलाने पर विवाद बढ़ा, पार्षदों ने चेयरपर्सन कमलेश सैनी की अगुवाई में बैठक कर कार्रवाई करवाने का लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

निकासी नहीं होने से गंदे पानी में पार्षद को चलाने का विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। पार्षद ने एसपी को शिकायत देकर एक नामजद व अन्य के खिलाफ शिकायत दी है। वार्ड नंबर 26 से पार्षद कांशीराम का आरोप है कि 29 मई शाम करीब पांच बजे बलराम व उसके अन्य चार पांच साथी घर पर आए व जबरन अपने साथ लेकर मौहल्ला न्यू कॉलोनी जमालपुर में लेकर गए। वहां ले जाकर जबरन गंदे पानी में नंगे पैर चलवाया। फिर गाली गलौच की और कहा कि अगर यह पानी एक महीने में नहीं निकला तो जान से मार देंगे। इस घटना का इन लोगों ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। जिससे मान सम्मान को ढेंस पहुंची है। पार्षद ने मांग की है कि आरोपित बलराम व उसके साथियों को गिरफ्तार करके उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। इस शिकायत पर एसपी पूजा वशिष्ठ ने कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है।

नारनौल। एसपी को शिकायत देते पार्षद एवं प्रधान। फोटो : हरिभूमि

यह है मामला

शहर में वार्ड नंबर 26 में नई कॉलोनी जमालपुर एरिया है। यहां पर सिंघाना रोड पर रेनबो अस्पताल से कुछ आगे से रास्ता और मौहल्ला जमालपुर, सैन चौक व महावीर चौक से भी जोहड़ की तरफ से रास्ता आता है। यह चौराहा भी बनता है। यहां पर कई माह से सीवरेज ओवरफ्लो है। वहीं यहां से पानी निकासी के लिए बना हुआ नाला, जो महावीर चौक टेलीफोन एक्सचेंज की ओर जाता है, वह भी बंद है। इस कारण यहां पर गंदा पानी हमेशा सड़क पर रहता है। इस रास्ते से आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। यहां रहने वाले लोग बताते है कि समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद, जनस्वास्थ्य विभाग व पार्षद को भी अवगत करवाया जा चुका है। इसके बावजूद कोई समाधान नहीं किया गया।

नारनौल। वायरल वीडियो में गंदे पानी में चल रहा पार्षद कांशीराम।

सदन में बैठक में सर्वसम्मति बनी, फिर दी शिकायत

पार्षद कांशीराम के साथ इस घटना को लेकर पार्षद सदन की बैठक रविवार सुबह नगर परिषद कार्यालय में हुई। इसकी अध्यक्षता परिषद प्रधान कमलेश सैनी ने की। बैठक में पीड़ित पार्षद कांशीराम ने खुलकर पूरे घटनाक्रम को सदन के समक्ष रखा। इसके बाद सदन की सहमति के बाद तय किया गया कि जिन भी लोगों ने पार्षद के खिलाफ घटना को अंजाम दिया है, उसके प्रति कानूनी कार्रवाई हो। इस बैठक में उपप्रधान संजीव यादव, वार्ड एक से संजय कुमार, वार्ड तीन से अतर सिंह, वार्ड चार से मोहनलाल शर्मा, वार्ड छह से सुलतान सिंह, वार्ड नौ से पार्षद प्रतिनिधि भास्कर खनगवाल, वार्ड 11 से प्रतिनिधि अनिल कुमार, वार्ड 12 से सिकंदर कुमार, वार्ड 13 से पार्षद प्रतिनिधि अरूण मांदी, वार्ड 14 से राजेंद्र टिंकू, वार्ड 15 से देवेंद्र कुमार, वार्ड 16 से विशाल सैनी, वार्ड 17 में मनोज सैनी, वार्ड 18 से प्रतिनिधि विनोद सैनी, वार्ड 19 से पार्षद प्रतिनिधि धूप सिंह, वार्ड 20 से पार्षद नितिन चौधरी, वार्ड 22 से अमर सिंह, वार्ड 23 से पार्षद प्रतिनिधि अशोक सैनी, वार्ड 25 से अजय सिंघल, वार्ड 29 से पार्षद प्रतिनिधि धर्मेंद्र भांखर और वार्ड 30 से पार्षद मुकेश शर्मा मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

तुलसी यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा आज से

महेंद्रगढ़। शहर के मोहल्ला जवाहरनगर स्थित बचपन स्कूल में भागवत धर्म सेवा परिवार के तत्वावधान में पहली बार सवा लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण महारुद्राभिषेक, श्रीमद्भागवत महापुराण कथा महोत्सव एवं सिद्ध रूद्राक्ष वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को किया जाएगा, जिसमें वृंदावन धाम के कथावाचक आचार्य गौरव दीक्षित महाराज व्यास गद्दी पर विराजमान होकर अपनी अमृतवाणी से सभी भक्तों को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे व कथा के दौरान शहर के बच्चों द्वारा मनमोहक झांकियां भी पेश की जाएंगी।

दिनकर बोहरा को दी श्रद्धांजलि

नारनौल। जिला गौड़ ब्राह्मण सभा में सभा के उपप्रधान स्वर्गीय दिनकर बोहरा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा के प्रधान राकेश महता ने बताया कि सभा के उपप्रधान दिनकर बोहरा का निधन 27 मई को गया था। उन्होंने अपने पूज्य पिता स्व. किशनचंद बोहरा, जो कि लंबे समय तक सभा से जुड़े रहकर अनेक सामाजिक कार्य किए के पद चिन्हों पर चलते हुए सभा के साथ मिलकर काफी सराहनीय कार्य किया। वे हमेशा समाज की भलाई के लिए कार्य करते थे।

शिविर में 120 मरीजों ने करवाई नेत्रों की जांच

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में सोमवार को यादव सभा एवं राहत ग्रुप के तत्वाधान में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा ने बताया कि शिविर की अध्यक्षता डॉ. प्रेमराज आर्य ने की। शिविर का खर्च गांव नांगल हरनाथ निवासी महावीर सिंह ने वहन किया। शिविर का शुभारंभ हवन से किया गया। शिविर में 120 रोगियों के नेत्र जांच की तथा 16 रोगियों को आपरेशन के लिए सुमेर सिंह मेघनवास की देखरेख में राजकीय जालान नेत्र चिकित्सालय भिवानी भेजा गया।

धन्नौंदा से अटेली के अंडरपास के रास्ते पर हुआ जलभराव

अटेली के धन्नौदा रोड और श्याम कुंज कालोनी में बारिश का पानी रोड तक भरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली कस्बे में दोपहर बाद रविवार को आधे घंटे से ज्यादा समय तक बारिश होने से मौसम खुशनुमा हो गया। अबकी बार नालों की सफाई नहीं होने से अटेली कस्बे के मुख्य बाजार में दुकानदारों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा। इसके अलावा वार्ड चार में धन्नौंदा से कस्बे के अंडरपास को जाने वाले रास्ते पर जलभराव के चलते वार्ड के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

वार्ड वासी सुनील प्रजापत, श्याम सुंदर, राजेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव, सत्यवीर यादव आदि ने बताया कि नगरपालिका के इस ओर कोई ध्यान नहीं देने के कारण बारिश के मौसम में रोड पर जलभराव हो जाता है। वार्ड के पार्षद इस ओर कोई ध्यान नहीं देते। सफाई कर्मी जब सफाई करते हैं तो रोड के किनारों पर मिट्टी व कूड़े को एकत्रित कर देते है। इस कारण बारिश का पानी रोड के साथ ठहर जाता है। रोड पर बनी श्याम कुंज कालोनी में तो बारिश के पानी के एकत्रित होने से लोगों को निकलने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। कस्बे के लोगों ने बारिश से पहले नालों की सफाई व पानी का उचित निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है। वार्ड के लोगों ने बताया कि बारिश से पहले अगर व्यवस्था नहीं की तो समस्या विकट हो जाएगी। वहीं दौगड़ा अहीर निवासी किसान राजकुमार यादव तेज आंधी और बारिश के कारण भारी नुकसान झेलना पड़ा। तेज हवाओं के साथ आई बारिश में उनके पशुओं के लिए बनाए गए टीनशेड पूरी तरह से उड़कर दूर जा गिरे, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से बड़ी क्षति हुई है। राजकुमार यादव ने बताया कि उन्होंने अपने पशुओं के लिए चारा तूड़े आदि स्टोर करने के उद्देश्य से टीनशेड बनाए थे, लेकिन तेज आंधी और कड़कते बादलों के साथ हुई वर्षा ने सबकुछ तहस-नहस कर दिया। तेज हवा के कारण उनके चारा शेड उड़ गए।

दौंगड़ा अहीर में एक किसान के चारा रखने के उड़ गए टीनशेड

मंडी अटेली। दौंगड़ा अहीर में चारा रखने का उड़ा टीनशेड। फोटो : हरिभूमि

बारिश से मौसम हुआ सुहावना

कनीना। रविवार करीब सवा तीन बजे क्षेत्र में तेज हवा के साथ हुई बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। आंधी बारिश के चलते बिजली सप्लाई गुल हो गई। तेज हवा के चलते अनेक पेड़ टूटने के साथ साथ बिजली के खंभे गिर गए। काले बादलों के बीच हुई बारिश ने नौतपा की बढ़ती गर्मी पर फिलहाल रोक लगा दी है। बारिश से सब्जी की फसल में नुकसान की संभावना बन रही है।

सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, हल्की बारिश की संभावना

नारनौल। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम लगातार में बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले पखवाड़े में पश्चिमी प्रणालियों की श्रृंखला से तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़, बारिश, ओलावृष्टि से झुलसाने वाली गर्मी से आमजन को राहत मिली। दूसरे पखवाड़े की शुरूआत में केवल पहले सप्ताह में तापमान में बढ़ोतरी हुई। जिससे आमजन गर्मी से को रूबरू होना पड़ा। इसके बाद नौतपा की शुरूआत तेज गति से हवाएं अंधड़ व बारिश के साथ हुई। उसके बाद लगातार मौसम परिवर्तनशील बना रहा। बादलों की आवाजाही, हल्की बारिश, बूंदाबांदी व लगातार पूर्वी हवाओं ने मई महीने के अंत तक लगातार बढ़ते तापमान पर अंकुश लगाए रखा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा, क्योंकि एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर दो जून को सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में दो से पांच जून के दौरान फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ व हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बन रही है।

दौंगड़ा अहीर में महापंचायत आयोजित

- सन1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की ऐतिहासिक लड़ाई में 13 कुमाऊं बटालियन के 117 जवानों में से 114 अहीर वीर थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। महापंचायत में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

अहीर रेजिमेंट हक है हमारा, कंधे पर हो नाम हमारा। इसी जोशीले नारे के साथ रविवार को अहीर समाज ने दौंगड़ा अहीर के रजवाड़ा फोर्ट में एक महापंचायत का आयोजन किया। इस महापंचायत का नेतृत्व पुष्पा शास्त्री, अरुण यादव व राव अजीत सिंह द्वारा किया गया। यह महापंचायत सुबह नौ बजे आरंभ होकर दोपहर दो बजे तक चली, जिसमें अहीर समाज के सैकड़ों लोग जुटे।

आयोजन का नेतृत्व दौंगड़ा अहीर संघर्ष समिति द्वारा किया गया। मंच से उठी आवाजें केवल रेजिमेंट की मांग नहीं, बल्कि अहीर समाज की अस्मिता, सम्मान और ऐतिहासिक गौरव की पुनर्स्थापना की पुकार थी। महापंचायत में उपस्थित वक्ताओं ने बताया कि सन-1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की ऐतिहासिक लड़ाई में 13 कुमाऊं बटालियन के 117 जवानों में से 114 अहीर वीर थे, जिन्होंने असाधारण साहस और बलिदान का परिचय दिया। उस युद्ध को भारतीय सैन्य इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज किया गया, लेकिन आज तक अहीर समाज को उसका उचित सांस्थानिक सम्मान नहीं मिला। अब समय आ गया है कि अहीर रेजिमेंट का गठन कर रेजांगला के शूरवीरों को सच्ची श्रद्धांजलि दी जाए। यह रेजिमेंट अहीर वीरता, त्याग और सैन्य परंपरा का प्रतीक होगी। महापंचायत को कई प्रमुख समाजिक नेताओं, पूर्व सैनिकों और युवा प्रतिनिधियों ने संबोधित किया और कहा कि अहीर रेजिमेंट केवल सैन्य इकाई नहीं, बल्कि अहीर समाज के आत्मसम्मान और पहचान की बात है। यदि डोगरा, राजपूत, सिख और गोरखा जैसी जातीय रेजिमेंट हो सकती हैं तो अहीर रेजिमेंट का गठन भी जायज और आवश्यक है। यह मांग अब आंदोलन में तब्दील हो चुकी है और यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो बड़ा जनांदोलन होगा। महिलाओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि यह आंदोलन समाज के हर वर्ग का आंदोलन बन चुका है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बसपा नेता अतर लाल एडवोकेट भी महापंचायत में पहुंचकर अपना समर्थन दिया। इस मौके पर सिहमा ब्लॉक समिति चेयरमैन अंजू यादव, सिहमा ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार, सिहमा ब्लाक सरपंच एसोसिएशन की प्रधान सुमन देवी के पति प्रमोद यादव, दौंगड़ा अहीर की सरपंच सुनीता यादव, सरपंच प्रतिनिधि बबरूभान, राजस्थान प्रदेश यादव महासभा से दिनेश यादव, वेदप्रकाश आर्य, कैप्टन महादेव सिंह, हरपाल थानेदार, दिलीप, कृष्ण, सत्यप्रकाश यादव, प्रकाश आर्य, पवन सरपंच, यादव महासभा प्रधान अभय राम, एलएन यादव, कैलाश पाली, इंद्रजीत सरपंच व विनोद चेयरमैन के अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्र के कई सरपंच व ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन का राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा का दूसरा राज्य स्तरीय सम्मेलन अम्बेडकर भवन मालवीय नगर में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रधान जुगेश कुमार ने की। संचालन कामरेड सुभाषचंद्र एडवोकेट महासचिव ने किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता कामरेड पालसिंह जन संघर्ष मंच थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी नियुक्त हुए तब से स्वच्छ भारत बनाने में मेहनत से काम कर रहे है।

सरकार उनके लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। इसलिए आन्दोलन का रास्ता अपना पड़ेगा। सम्मेलन में प्रस्ताव पारित किया कि 29 जून को पंचायत मंत्री के निवास पर मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मुख्य मांग सरकारी

नारनौल। ग्रामीण सफाई कर्मचारी सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता।

घोषित किया जाए, न्यूनतम वेतन 28000 रुपये दिया जाए, ईएसआई अस्पताल नसीबपुर मे सुविधां बढ़ाई जाए, काम करने औजार, हर माह वेतन व वेतन में सरपंचों का हस्तक्षेप बन्द किया जाए, 250 की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी नियुक्त किए जाए, मृतक ग्रामीण सफाई कर्मचारी के आश्रित को नौकरी व उसके लाभ दिए जाए, महिला कर्मचारी को मातृत्व लाभ व पुरुष कर्मचारी को चाईल्ड केयर लिव लागू की जाए।

सम्मेलन में नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें प्रधान जुगेश कुमार, महासचिव कामरेड सुभाषचंद्र एडवोकेट, उपप्रधान अशोक कुमार इसके अलावा मंजू देवी, जामत सिंह, ओमप्रकाश, सुनील कुमार, मंडल सचिव नाजुराम, राजबीर, सुमित्रा देवी, प्रेस सचिव ओमप्रकाश व सोमदत, खजाची कृष्ण कुमार तोबड़ा, कार्यकारिणी सदस्य रमेश देदेवी, समाकोर, रविकुमार, सुरेश कुमार बनाए गए।

शहरपुर में शनिदेव महाराज की मूर्ति स्थापना के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

- कलश यात्रा, हवन व भंडारे में ग्रामीणों ने लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गांव शहरपुर के शिव मंदिर में शनिदेव महाराज की मूर्ति स्थापना के अवसर पर विशाल कलश यात्रा, हवन व भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें अनेक गांवों के ग्रामीणों में हिस्सा लेकर कार्यक्रम का शोभा बढ़ाई। कलश यात्रा में गांव की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मंदिर कमेटी के प्रधान ताराचंद यादव, श्योताज मास्टर व रामकिशन ने बताया कि गांव के पश्चिम दिशा में स्थित शिव मंदिर में शनिदेव महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया गया। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व ग्रामीण महिलाओं की ओर से कलश यात्रा निकाली गई, जो गांव के शिव मंदिर से चलकर पूरे गांव की परिक्रमा करने के बाद वापस शिव मंदिर प्रांगण में पहुंची। जहां नवनिर्मित शनि मंदिर में विद्वान पंडितों की ओर से मंत्र उच्चारण कर मूर्ति की स्थापना की गई। इसके बाद हवन व भंडारा का आयोजन किया गया। हवन में गांव के प्रतिष्ठ व अन्य लोगों ने अपनी आहुति दी। दोपहर करीब 12 बजे मंदिर प्रांगण में आयोजित गए भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान मंदिर के बाहर दुकानदारों ने विभिन्न प्रकार की स्टॉल लगाई। जिसमें महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मंदिर कमेटी प्रधान ताराचंद यादव, श्योताज मास्टर, रामसिंह थानेदार, सतीश यादव, सुरेंद्र यादव उर्फ धोलू, सज्जन सिंह, रामकिशन, संसार सिंह, सूरत सिंह, पप्पू यादव, पूर्णसिंह, सूबेसिंह, मदनलाल, राजकुमार, जितेंद्र, अजीत सिंह, विनय, रवि आदि मौजूद थे।

नारनौल। कलश यात्रा निकालती महिलाएं।

नारनौल। शनिदेव महाराज की मूर्ति की स्थापना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्राचीन शनिदेव मंदिर का होगा कायाकल्प जीर्णोद्धार के लिए कमेटी गठित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला नीमड़ी नीचे स्थित पुराने प्राचीन शनिदेव मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू करवाने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता व्यापार मंडल के प्रधान सुरेन्द्र बंटी ने की। इस बैठक मे मंदिर निर्माण को लेकर विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की गई। ज्योतिषी सुभाष चंद घोषि पुजारी ने बताया कि इस प्राचीन शनिदेव मंदिर का निर्माण लगभग 70-80 वर्ष पूर्व लाला मुरारी लाल कसेरा पुत्र चुन्नीलाल कसेरा ने अपनी जमीन पर करवाया था। यह मंदिर अब काफी पुराना हो गया है ओर इसमे अब बदलाव की जरूरत थी। सात दिसंबर 2019 को लाला हनुमान प्रसाद की रस्म पगड़ी पर पांच लाख रुपये मंदिर निर्माण के लिए देने की घोषणा की थी। अब जितेन्द्र गुप्ता उर्फ जीतू ने पांच लाख 51 हजार रुपये मंदिर कमेटी को मौके पर कमेटी को सौंप दिए गए।

बैठक में मंदिर के निर्माण को लेकर एक कमेटी का गठन किया गया। मंदिर निर्माण का कार्य रविवार से शुरू कर दिया जाएगा, जिसमें बृजानन्द गुप्ता को सर्वसम्मति से कार्यकारिणी कमेटी का संरक्षक व सुरेन्द्र बंटी को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस कार्यकारिणी में वेदप्रकाश सैनी उर्फ पोचा, पन्नालाल गोस्वामी, रमेश बोहरा पार्षद व विजय अरोड़ा को उपप्रधान, बेदप्रकाश उर्फ बोबी को खजांची, गिरधर गोपाल को सह खजांची, पुरुषोत्तम दास को महासचिव, दीनदयाल शर्मा को सहसचिव बनाया गया। प्रकाशन की व्यवस्था के लिए अंकित गोस्वामी, सहायक के लिए सुमित सोहला व प्रेस प्रवक्ता की जिम्मेदारी विनीत पंसारी को दी गई। मंदिर निर्माण के लिये चंदा एकत्रित करने के लिए दयापाल सैन, अनिल हलवाई, अनिल टाला वाला, विष्णु सोनी, रिंकू भाटिया, पूर्व पार्षद मुंशीराम जांगड़ा, विजय अरोड़ा, हरिकिशन रोहिल्ला, विजय कुमार शर्मा को नियुक्त किया गया। मंदिर निर्माण की सामग्री खरीदने के लिए हरिकिशन रोहिल्ला, बाबूलाल महंत, अरुण शर्मा, राहुल रोहिल्ला को जिम्मेदारी दी गई। आर्चिटेक्ट का काम राकेश बंसल व मंदिर निर्माण का कार्य महिपाल प्रजापत को दिया गया। मंदिर के नक्शे का काम विनोद कपूर, मनोज मोदी, रोहताश सोनी व सुजान ठेकेदार को दिया गया। मंदिर के कार्यकारिणी कमेटी में सन्दीप चौधरी एडवोकेट, योगेश खोरीवाल, योगेश सेजखाना, रवी सोनी, मिंटू फतेपुरिया, जुगल, महेन्द्र शर्मा, महेंद्र गोस्वामी, बाबुलाल महंत, नरेंद्र महंत, सुरेश सैनी, अरविंद जांगड़ा, राजेश रोहिल्ला, विजय कुमार शर्मा, बजरंगी शर्मा, राधेश्याम भगतजी, पवन, महेंद्र, रिंकू भाटिया, मुंशी राम जांगड़ा पार्षद, हल्ली शर्मा, राजेश सैनी, भूषण, सतवीर चौधरी एडवोकेट आदि को शामिल किया।

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेते शहर के लोग। फोटो : हरिभूमि

सलीमपुर गांव का नाम गोपालपुर करने की मांग

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव सलीमपुर की ग्राम पंचायत ने गांव का नाम बदलकर गोपालपुर रखने की मांग की है। गांव की सरपंच आरती यादव ने इसका प्रस्ताव एक वर्ष पूर्व जिला प्रशासन को दिया था। इसके बारे में सरपंच ने बताया कि गांव के नाम बदलने की मांग प्रशासन वस्थानीय नेताओं के सामने रख चुकी हैं। ग्राम पंचायत की बैठक में भी सभी की सर्वसहमति से यह प्रस्ताव पास भी किया गया है, जिसमें गांव का नाम सलीमपुर से बदलकर गोपालपुर रखने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार गांव का नाम भारतीय संस्कृति से जुड़ा हुआ नाम देना चाहते हैं। इसी भावना के तहत गोपालपुर नाम का सुझाव दिया था। गोपालपुर धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ है और क्षेत्र की भावनाओं के अनुरूप है। प्रशासन शुरुआती स्तर पर सहमति जताई और आवश्यक दस्तावेज चंडीगढ़ भेज दिए थे। परंतु समय बीतने के बाद नाम बदलने की प्रक्रिया अधर में लटक गई। उनकी फाइल को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है।